

Daily Current Affairs

Date : 13 September, 2025



अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	जौ की नई किस्म आर.डी. 3064
2.	राजस्थान में मिलेट आउटलेट्स
3.	इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'इंडिया वॉल्क्स 2025'
4.	महावीर सैनी - पैरा एथलेटिक्स कोच
5.	आपातकालीन सेवाओं में सवाई मानसिंह अस्पताल पूरे देश में प्रथम स्थान पर
6.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. 1962-एमवीयू राजस्थान चैटबॉट 2. केन्द्रीय वित्त आयोग (शहरी) अनुदान के तहत राजस्थान को 541 करोड़ रुपये जारी 3. मशरूम की नई प्रजाति : गोल्डन ओएस्टर
7.	नेपाल की नई प्रधानमंत्री : सुशीला कार्की
8.	आपदा जोखिम सूचकांक (DRI)
9.	डीजल के साथ आइसोब्यूटेनॉल मिश्रण
10.	एडफाल्सीवैक्स वैक्सीन (AdFalcivax Vaccine)
11.	F404-IN20 इंजन
12.	पहला AI-आधारित मौसम पूर्वानुमान कार्यक्रम
13.	नासा (NASA) : मंगल ग्रह पर संभावित जैव-हस्ताक्षरों की खोज
14.	INS अरावली का कमीशन
15.	राष्ट्रमंडल संसदीय संघ
16.	आचार्य विनोबा भावे (1895-1982)
17.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. जैस्मिन लांबोरिया : बॉक्सिंग 2. अल्बानिया : भ्रष्टाचार से निपटने हेतु विश्व का पहला AI-जनित मंत्री नियुक्त 3. अभ्यास सियोम प्रहार

--:1:--



राजस्थान परिदृश्य



जौ की नई किस्म आर.डी. 3064



चर्चा में क्यों?

- दुर्गापुरा (जयपुर) स्थित राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा जौ की नई किस्म आर.डी. 3064 विकसित की गई।



मुख्य बिन्दु:

- जौ की इस किस्म को ग्वालियर में आयोजित 64वीं अखिल भारतीय गेहूँ व जौ अनुसंधान परियोजना की वार्षिक बैठक में प्रस्तुत किया गया।
- जौ की इस किस्म को केंद्रीय किस्म विमोचन समिति (CSC) द्वारा अनुमोदित भी कर दिया गया है।
- इससे पूर्व केंद्र सरकार ने जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित जीरे की किस्म 'जोधपुर जीरा-1 (JC-1)' की आधिकारिक गजट अधिसूचना भी जारी की गई।
- किसी भी किस्म की पैदावार शुरू करने से पहले उसे कृषि मंत्रालय को भेजा जाता है, जहाँ से गजट नोटिफिकेशन होने के बाद उसकी पैदावार शुरू होती है।
- जौ की नई किस्म से बीयर, चॉकलेट, बेबी फूड के साथ हेल्थ ड्रिंक में काम आने वाले जौ के लिए विदेशों पर निर्भरता कम होगी।
- वैज्ञानिकों के अनुसार इस किस्म की अधिकतम दाना उपज 91.67 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होगी। इस पौधे की ऊँचाई 90 से 100 सेंटीमीटर और बालियों की लंबाई 9 से 10 सेंटीमीटर होगी।
- फसल की पैदावार पर जलवायु परिवर्तन का भी असर कम पड़ेगा।

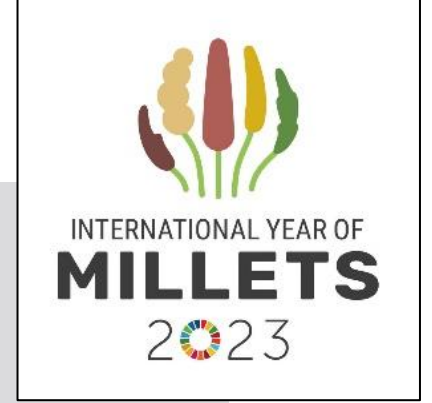
फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- राजस्थान में उत्पादित होने वाली जौ की प्रमुख किस्में : करण, कैलाश, कैदार, ज्योति।

राजस्थान में मिलेट आउटलेट्स

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान में सहकारिता विभाग द्वारा अब तक 152 मिलेट आउटलेट्स खोले जा चुके हैं, जो निर्धारित लक्ष्य की तुलना में लगभग साढ़े चार गुना अधिक हैं।



मुख्य बिन्दु:

- राजस्थान में सहकारी संस्थाओं और राजीविका की महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा मिलेट आउटलेट्स (श्री अन्न विक्रय केन्द्र) संचालित किए जा रहे हैं।
- **मिलेट** : संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, मोटा अनाज या मिलेट उन पारंपरिक अनाजों को कहा जाता है, जो गेहूँ और चावल के अलावा अन्य होते हैं, जैसे कि ज्वार, बाजरा, रागी, मक्का, जौ, कोदो, फॉक्सटेल और कुट्टू आदि। मोटा अनाज को 'पोषक अनाज' या 'श्री अन्न' भी कहते हैं।
- **मिलेट आउटलेट्स पर उपलब्ध प्रमुख उत्पाद** : सावां, कुटकी, कोदो, कांगनी, छोटी कांगनी, रोस्टेड ज्वार, रोस्टेड बाजरा, रागी के बिस्किट, ओट्स बिस्किट, कुकीज, श्री अन्न दलिया, रागी फ्लेक्स आदि।
- राज्य सरकार की बजट घोषणा की अनुपालना में श्री अन्न उत्पादों की आमजन तक पहुँच बढ़ाने, प्रचलन में लाने तथा सहकारिता एवं राजीविका के स्वयं सहायता समूहों के मिलेट उत्पादों की बिक्री से रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए राज्य भर में ये मिलेट आउटलेट्स खोले जा रहे हैं।

--3--

Daily Current Affairs

Date : 13 September, 2025

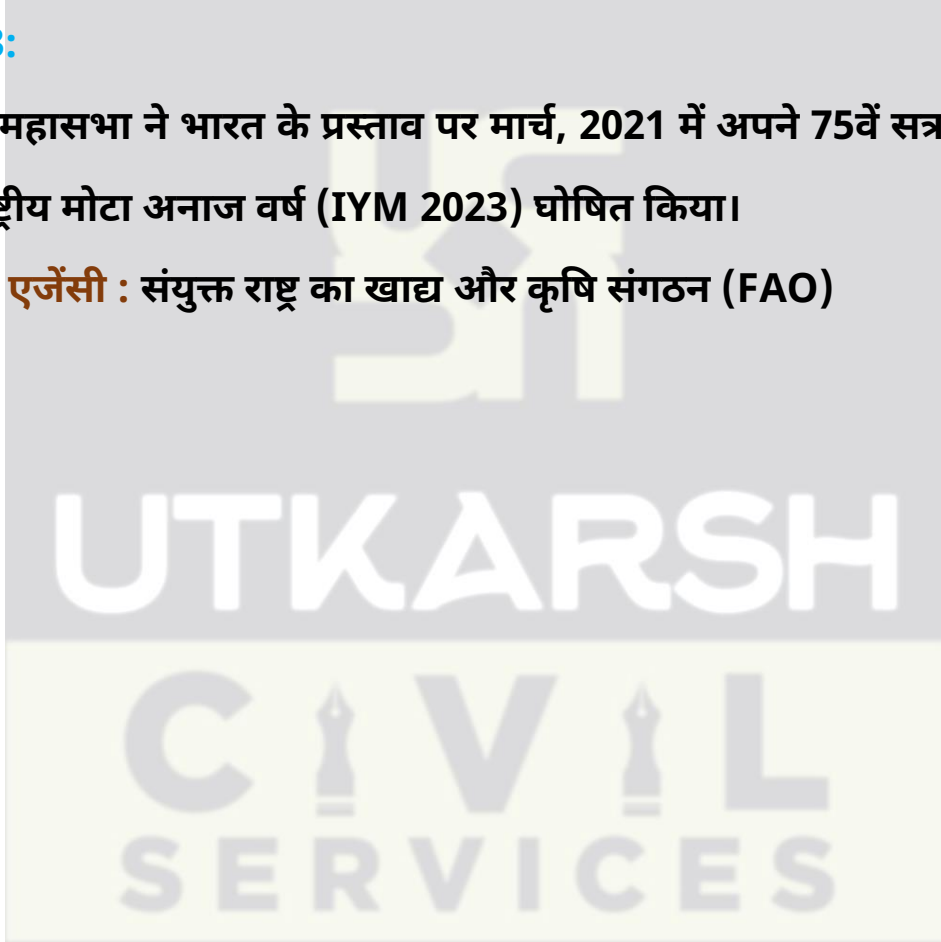


- 17 जुलाई, 2025 को केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा जयपुर में आयोजित 'सहकार एवं रोजगार उत्सव' के दौरान 64 मिलेट आउटलेट्स का शुभारम्भ किया गया था।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

IYM 2023:

- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भारत के प्रस्ताव पर मार्च, 2021 में अपने 75वें सत्र में वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष (IYM 2023) घोषित किया।
- क्रियान्वयन एजेंसी : संयुक्त राष्ट्र का खाद्य और कृषि संगठन (FAO)



--:4::--

इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'इंडिया वॉल्व्स 2025'

चर्चा में क्यों?

- 11 से 13 सितंबर, 2025 तक जयपुर में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'इंडिया वॉल्व्स 2025' का आयोजन किया गया।



The poster for the India Valves conference features a logo on the left with a heart and valves, the text 'INDIA VALVES' in large letters, and the tagline 'Mastering Basics, Decoding Complexities, Revolutionising Patient Care'. The dates '11th, 12th & 13th SEPTEMBER 2025' and the venue 'MARRIOTT, JAIPUR' are prominently displayed. The main headline reads 'THE VALVE VAULT' followed by 'DONATE WITH HEART, BECOME THE STAR OF A CHILD'S TOMORROW'.

मुख्य बिन्दु:

- कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य : हार्ट वॉल्व संबंधी बीमारियों के इलाज की नवीनतम तकनीकों तथा शोधों पर चर्चा।
- सम्मेलन का मुख्य फोकस : ट्रांसकैथेटर वाल्व थेरेपी पर।
- इस कॉन्फ्रेंस में अमेरिका, कनाडा, जापान, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप से 30 से अधिक इंटरनेशनल स्पीकर्स ने भाग लिया।

--:5:--

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

हार्ट वॉल्व संबंधी बीमारी:

- हार्ट वॉल्व संबंधी बीमारी में हृदय के एक या अधिक वाल्व ठीक से खुलते या बंद नहीं हो पाते, जिससे शरीर में रक्त का प्रवाह बाधित होता है।
- इसके मुख्य लक्षणों में साँस फूलना, अनियमित दिल की धड़कन, सीने में दर्द, थकान, चक्कर आना और पैरों व पेट में सूजन शामिल हैं।
- हार्ट वॉल्व संबंधी बीमारियों में मुख्य रूप से तीन प्रकार की स्थितियाँ होती हैं: स्टेनोसिस (Stenosis), जहाँ वाल्व ठीक से नहीं खुल पाता; रिगर्जिटेशन (Regurgitation), जहाँ वाल्व ठीक से बंद न होने के कारण रक्त पीछे की ओर रिसता है; और एट्रेसिया (Atresia), जहाँ जन्म से ही वाल्व का ठीक से विकास नहीं हो पाता।

UTKARSH

CIVIL SERVICES

महावीर सैनी - पैरा एथलेटिक्स कोच



चर्चा में क्यों?

- नई दिल्ली स्थित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में 25 सितंबर से 5 अक्टूबर, 2025 तक आयोजित होने वाली 'वर्ल्ड पैरा एथलेटिक चैंपियनशिप-2025' के लिए महावीर सैनी को भारतीय टीम का चीफ कोच नियुक्त किया गया।



मुख्य बिन्दु:

- भारत इन खेलों की पहली बार मेजबानी कर रहा है, जिसमें विश्व के 107 देशों के खिलाड़ी भाग लेंगे।
- भारत की ओर से 73 सदस्यीय दल इस प्रतियोगिता में भाग ले रहा है, जिसमें 54 पुरुष और 19 महिलाएँ होंगी।
- राजस्थान के पैरालंपिक मेडलिस्ट सुंदर सिंह गुर्जर, महेंद्र सिंह गुर्जर और संदीप चौधरी भी भारतीय टीम का हिस्सा है।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- भारत की राष्ट्रपति द्वारा महावीर प्रसाद सैनी को पैरा एथलेटिक्स में उनकी उपलब्धियों के लिए वर्ष 2023 का द्रोणाचार्य पुरस्कार प्रदान किया गया।
- उन्होंने कई उत्कृष्ट पैरा एथलेटिक्स खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया है, जिनमें सुंदर सिंह गुर्जर, जिन्होंने 2021 में टोक्यो, जापान में आयोजित पैरालंपिक खेलों में कांस्य पदक जीता था और राकेश भैरा, जिन्होंने 2023 में हांगजो, चीन में आयोजित पैरा-एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता था, शामिल हैं।
- महावीर सैनी को राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की ओर गुरु वशिष्ठ अवॉर्ड से भी नवाजा जा चुका है।



आपातकालीन सेवाओं में सवाई मानसिंह अस्पताल पूरे देश में प्रथम स्थान पर

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, सवाई मानसिंह अस्पताल, जयपुर को न्यूरोट्रोमा एवं ट्रोमा सेंटर में इमरजेंसी में आने वाले गंभीर घायलों के उपचार में देश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त हुआ।

मुख्य बिन्दु:

- SMS अस्पताल को न्यूरोट्रोमा सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार 2025' से सम्मानित किया गया।
- SMS में आपातकालीन सेवाओं में आने के बाद घायल का 6 से 8 मिनट में उपचार शुरू हो जाता है, जो कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) के तय मानकों से भी बेहतर है।
- वर्ष 2014 में स्थापित SMS अस्पताल का ट्रोमा सेंटर देश का सबसे बड़ा और आधुनिक सेंटर है।

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>1962-एमवीयू राजस्थान चैटबॉट</p> <ul style="list-style-type: none">■ महाराष्ट्र सरकार ने राजस्थान के '1962-एमवीयू राजस्थान चैटबॉट' मॉडल की सराहना करते हुए इस मॉडल को अपने प्रदेश में अपनाने का निर्णय लिया है।■ पशुपालन विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा संचालित 1962-एमवीयू राजस्थान चैटबॉट को देशभर में सराहना मिल रही है।
2.	<p>केन्द्रीय वित्त आयोग (शहरी) अनुदान के तहत राजस्थान को 541 करोड़ रुपये जारी</p> <ul style="list-style-type: none">■ हाल ही में, केन्द्र सरकार ने केन्द्रीय वित्त आयोग (शहरी) अनुदान की 541 करोड़ रुपये की राशि राजस्थान को जारी की। साथ ही, केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय ने प्रदेश में समग्र शिक्षा अभियान के लिए 580 करोड़ रुपये भी जारी किए।
3.	<p>मशरूम की नई प्रजाति : गोल्डन ओएस्टर</p> <ul style="list-style-type: none">■ ऋषभदेव (उदयपुर) के सागवाड़ापाल स्थित जंगल में ढींगरी मशरूम की नई प्रजाति गोल्डन ओएस्टर मिली है।■ वैज्ञानिक नाम : प्लूरोटस सिट्रिनोपिलेटस।■ महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर में संचालित अखिल भारतीय समन्वित मशरूम अनुसन्धान परियोजना के दल ने इस प्रजाति की खोज की है जो खाद्य एवं औषधीय गुणयुक्त है।

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

नेपाल की नई प्रधानमंत्री : सुशीला कार्की

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, नेपाल में पूर्व चीफ जस्टिस सुशीला कार्की के नेतृत्व में नई अंतरिम सरकार का गठन किया गया।



मुख्य बिन्दु:

- चयन :** Gen-Z नेता, नेपाली सेना और राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल द्वारा।
- सुशीला कार्की, नेपाल का नेतृत्व करने वाली पहली महिला प्रधानमंत्री हैं।
- इसी के साथ कार्की जुलाई, 2016 से जून, 2017 तक नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश रहीं।
- राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने काठमांडू स्थित राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में कार्की को पद की शपथ दिलाई।

--:10:--

Daily Current Affairs

Date : 13 September, 2025



अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

- **जेनरेशन-जेड (जेन-Z) क्रांति** : जेन जेड सबसे नई पीढ़ी है, जिसका जन्म 1997 और 2012 के मध्य हुआ तथा इनकी आयु 13 से 28 वर्ष के मध्य (इंटरनेट, स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के युग में जन्मी) होती है।

भारत और नेपाल के मध्य संबंध :

साझा सांस्कृतिक विरासत	हिंदू धर्म एवं बौद्ध धर्म : काठमांडू में पशुपतिनाथ एवं लुंबिनी में बुद्ध का जन्म। भारत दो विरासत परियोजनाओं, अर्थात् पशुपतिनाथ रिवरफ्रंट डेवलपमेंट एवं पाटन दरबार में भंडारखाल गार्डन पुनर्स्थापन का भी समर्थन कर रहा है।
आर्थिक संबंध	व्यापार : भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार, पर्यटकों के लिए शीर्ष स्रोत वाला देश, पेट्रोलियम उत्पादों का एकमात्र आपूर्तिकर्ता एवं कुल विदेशी निवेश का सबसे बड़ा स्रोत है। निवेश : भारतीय कंपनियाँ नेपाल में सबसे बड़ी निवेशक हैं, जो कुल स्वीकृत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा रखती हैं।
ऊर्जा सहयोग	त्रिपक्षीय समझौता : नेपाल, भारत तथा बांग्लादेश के मध्य त्रिपक्षीय समझौते के तहत भारत, नेपाल और बांग्लादेश को जलविद्युत का निर्यात शुरू करने में सहायता की। वर्ष 2019 में प्रारंभ मोतिहारी-अमलेखगंज पेट्रोलियम पाइपलाइन दक्षिण एशिया में पहली सीमा पार पाइपलाइन थी।
रक्षा सहयोग	भारतीय एवं नेपाली सेना वार्षिक रूप से संयुक्त सैन्य अभ्यास 'सूर्य किरण' आयोजित करती है।
आपदा प्रबंधन	दोनों देश सामूहिक आपदा प्रतिक्रिया के लिए BIMSTEC के माध्यम से कार्य कर रहे हैं। भारत ने वर्ष 2015 में नेपाल आए भूकंप प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए 75 मिलियन डॉलर का वित्तीय पैकेज भी प्रदान किया।

-:11:-

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

आपदा जोखिम सूचकांक (DRI)

चर्चा में क्यों?

- हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने 16वें वित्त आयोग के साथ बैठक में आपदा जोखिम सूचकांक (DRI) को फिर से तैयार करने पर जोर दिया।

मुख्य बिन्दु:

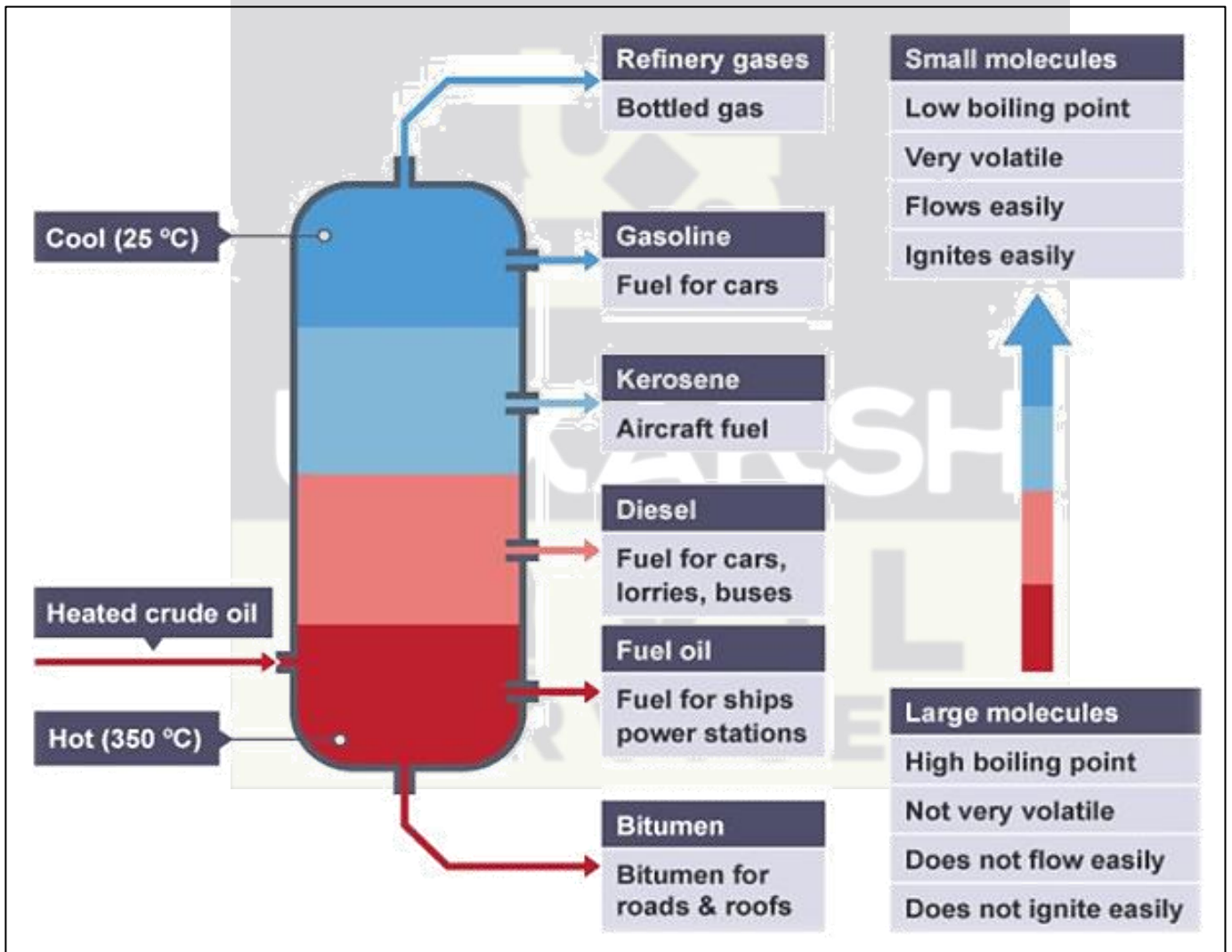
- इसे 15वें वित्त आयोग द्वारा तैयार किया गया।
- उद्देश्य:** संसाधन आवंटन में निष्पक्षता लाना (राजकोषीय संघवाद) और राज्यों द्वारा सामना की जाने वाली आपदा संबंधी जोखिमों को ध्यान में रखना।
- कवरेज:** इसमें 14 हैजर्ड्स, 14 वलनरेबिलिटीज और 2 एक्सपोजर्स शामिल हैं।
- हैजर्ड्स:** भूकंप, चक्रवात, बाढ़, सूखा, आदि।
- वलनरेबिलिटीज:** ग्रामीण/शहरी गरीब, संकट का सामना करने वाले बच्चे और महिलाएं, आदि।
- एक्सपोजर्स:** इसमें जनसंख्या और सकल घरेलू उत्पाद संबंधी दो मानदंडों पर विचार किया जाता है।



डीजल के साथ आइसोब्यूटेनॉल मिश्रण

चर्चा में क्यों?

- भारत इथेनॉल -डीजल परीक्षणों के असफल होने के बाद डीजल के साथ आइसोब्यूटेनॉल मिश्रण की संभावना तलाश रहा है।



मुख्य बिन्दु:

- आइसोब्यूटेनॉल:** यह एक चार-कार्बन अल्कोहल ($C_4H_{10}O$) है, जो ज्वलनशील, रंगहीन होता है और पारंपरिक रूप से पेंट, कोटिंग और रासायनिक उद्योगों में विलायक के रूप में उपयोग किया जाता है।

Daily Current Affairs

Date : 13 September, 2025



- यह पेट्रोकेमिकल प्रक्रियाओं और बायोमास के किण्वन, दोनों से उत्पन्न होता है।
इथेनॉल की तुलना में लाभ
- इथेनॉल की तुलना में उच्च ऊर्जा घनत्व (डीजल के करीब)।
- इसमें आद्रताग्राही क्षमता कम होती है (यह इथेनॉल की तुलना में कम पानी सोखता है), जिससे इंजन और पाइपलाइनों में जंग लगने का खतरा कम हो जाता है।
- **आइसोब्यूटेनॉल मिश्रण परीक्षण:** ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) 10% आइसोब्यूटेनॉल-डीजल मिश्रण का परीक्षण कर रहा है।
- आइसोब्यूटेनॉल को एक स्वतंत्र ईंधन के रूप में तथा ट्रैक्टरों और कृषि-मशीनों के लिए संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी)-आइसोब्यूटेनॉल फ्लेक्स-ईंधन विकल्पों के रूप में भी खोजा जा रहा है।

लाभ:

- जीवाश्म ईंधन के एक स्वच्छ विकल्प को बढ़ावा
- ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा।
- यह भारत की राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति (2018) के ऊर्जा परिवर्तन और किसान आय समर्थन के लक्ष्यों का समर्थन करता है।

-:14:-

⌚ विज्ञान प्रौद्योगिकी 🌡️

एडफाल्सीवैक्स वैक्सीन (AdFalcivax Vaccine)

📢 चर्चा में क्यों?

- भारत सरकार ने निजी कंपनियों को देश की पहली स्वदेशी बहु-चरणीय मलेरिया वैक्सीन एडफाल्सीवैक्स बनाने की अनुमति दी है।



📌 मुख्य बिन्दु:

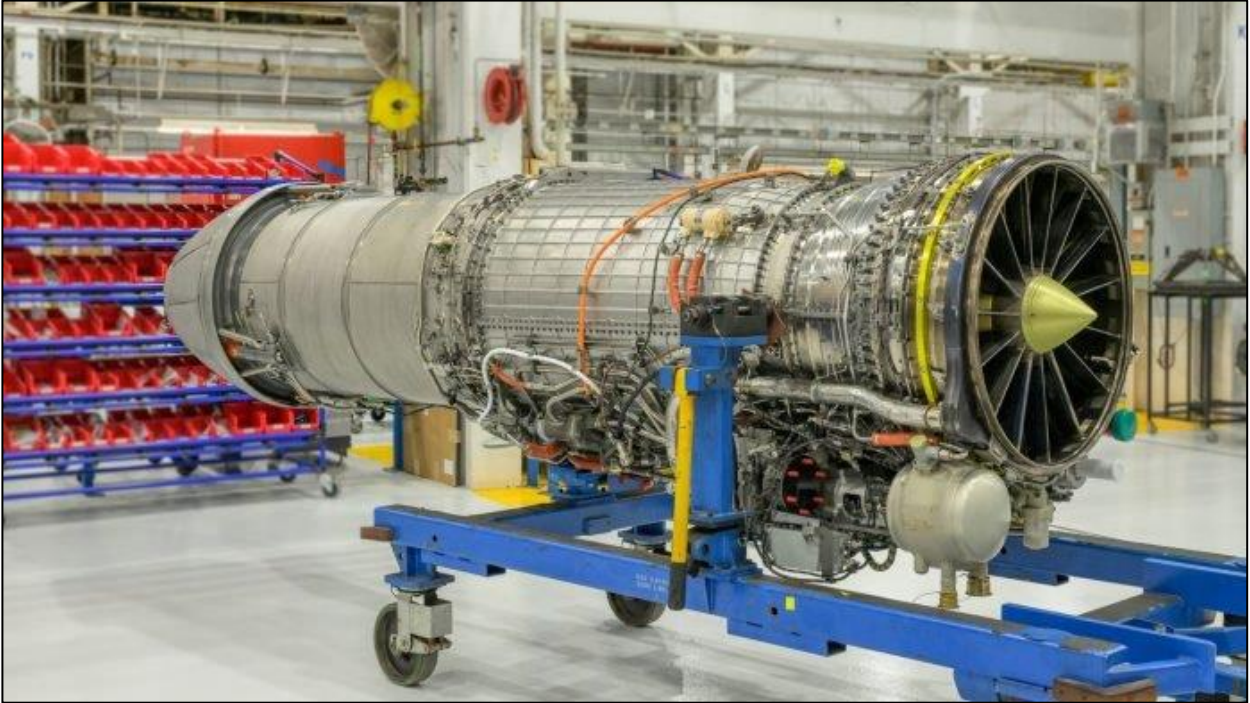
- **विकास:** भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR)।
- **कार्य करने की विधि:** यह वैक्सीन प्लास्मोडियम फैल्सीपैरम (सबसे घातक मलेरिया परजीवी प्रजाति) को कई चरणों में निशाना बनाती है।
- **विशेषताएँ:** यह एक रिकॉम्बिनेंट काइमेरिक वैक्सीन है, जिसमें परजीवी के अलग-अलग चरणों से लिए गए एंटीजन को रिकॉम्बिनेंट डीएनए तकनीक द्वारा एक ही इम्यूनोजेन में जोड़ा गया है।
- **लाभ:** यह वैक्सीन दो-चरणीय संरक्षण प्रदान करती हैं, लंबे समय तक रोग-प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखती है और कम लागत में तैयार की जा सकती है।

--:15:--

F404-IN20 इंजन

चर्चा में क्यों?

- हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) को अमेरिकी कंपनी जी.ई. एयरोस्पेस से तीसरा F404-IN20 इंजन प्राप्त हुआ है।



मुख्य बिन्दु:

- F404-IN20 इंजन की आपूर्ति तेजस Mk-1A विमानों की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए जरूरी है।

F404-IN20 इंजन:

- **प्रकार:** यह एक आफ्टर-बर्निंग टर्बोफैन इंजन है, जिसे खास तौर पर भारत के LCA तेजस Mk-1A लड़ाकू विमान के लिए बनाया गया है।
- **शक्ति:** यह लगभग 85 किलो न्यूटन (kN) का थ्रस्ट उत्पन्न करता है, जिससे तेजस उच्च सबसोनिक और सुपरसोनिक गति से उड़ान भरने में सक्षम होता है।

पहला AI-आधारित मौसम पूर्वानुमान कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

- पहला AI-आधारित मौसम पूर्वानुमान कार्यक्रम के तहत पहली बार कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने किसानों के लिए AI शक्ति का उपयोग कर वर्ष 2025 में 13 राज्यों के लगभग 3.8 करोड़ किसानों को SMS (M-किसान) के माध्यम से AI-आधारित मानसून पूर्वानुमान भेजे।

मंत्रिमंडल निर्णय 11-09-2024

मिशन मौसम

मंत्रिमंडल ने 2 वर्षों में 2,000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ अधिक मौसम-अनुकूल और जलवायु-समर्थित भारत बनाने के लिए 'मिशन मौसम' को मंजूरी दी

लाभ

- भारत के मौसम और जलवायु से संबंधित विज्ञान, अनुसंधान और सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए एक बहुआयामी और परिवर्तनकारी पहल
- खराब मौसम की घटनाओं और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने में नागरिकों और अंतिम-छोर तक उपयोगकर्ताओं सहित हितधारकों को बेहतर ढंग से व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी
- मिशन का ध्यान समय और स्थानिक पैमाने पर अत्यधिक सटीक और समय पर मौसम और जलवायु जानकारी प्रदान करने के लिए अवलोकन और समझ में सुधार करना है।
- मिशन को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के 3 संस्थानों द्वारा कार्यान्वित किया जाएगा:
 - भारत मौसम विज्ञान विभाग
 - भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान
 - राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केन्द्र



--:17:--

मुख्य बिन्दु:

- भारत विभिन्न स्रोतों से प्राप्त डेटा का विश्लेषण करने हेतु AI और मशीन लर्निंग का उपयोग कर रहा।

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा उपयोग किए गए पूर्वानुमान के स्रोत ; दो ओपन-एक्सेस मॉडल:

- गूगल का न्यूरल GCM
- ECMWF का AIFS (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फोरकास्टिंग सिस्टम्स)।
पहला AI-आधारित मौसम पूर्वानुमान कार्यक्रम/AI आधारित पूर्वानुमान से संबंधित भारत की प्रमुख पहल:
- मौसम सूचना नेटवर्क और डाटा प्रणाली (WINDS) : कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने हाइपर-लोकल, दीर्घकालिक मौसम डेटा उत्पन्न करने के लिये WINDS की शुरुआत की।
- AI और मशीन लर्निंग सेंटर: पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने मौसम पूर्वानुमान को बेहतर बनाने के लिये पुणे में AI और मशीन लर्निंग सेंटर की स्थापना की है जो डॉपलर रडार डेटा की सहायता से वर्षा और हिमपात का तात्कालिक पूर्वानुमान लगाता है।
- AI-आधारित मानसून पूर्वानुमान मॉडल: IIT-दिल्ली स्थित DST सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन क्लाइमेट मॉडलिंग (CECM) ने ऐतिहासिक आँकड़ों और अल नीनो तथा हिंद महासागर द्विध्रुव (IOD) जैसे जलवायु चालकों का उपयोग करते हुए मानसून पूर्वानुमान हेतु AI/ML-आधारित मॉडल विकसित किये हैं।
- मिशन मौसम : वर्ष 2024 में भारतीय मौसम और जलवायु पूर्वानुमान प्रणालियों को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) द्वारा शुरू किया गया।

नासा (NASA) : मंगल ग्रह पर संभावित जैव-हस्ताक्षरों की खोज

चर्चा में क्यों?

- नासा के पर्सिवियरेंस रोवर (Perseverance Rover) ने मंगल ग्रह पर सूखी हुई नदी नेरेट्वा वैलिस (Neretva Vallis) की चट्टानों में कार्बनिक तत्वों की खोज की।



- यह अरबों वर्ष पूर्व मंगल ग्रह पर सूक्ष्म जीवों/जीवन के अस्तित्व का संभावित संकेत हैं।

मुख्य बिन्दु:

- खोज की घोषणा :** 10 सितंबर, 2025 को नासा की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की गई।
- प्रकाशित :** नेचर पत्रिका।
- खोज स्थान :** नेरेट्वा वैलिस, जेज़ेरो क्रेटर (प्राचीन नदी तंत्र)
- चट्टान संरचना :** ब्राइट एंजेल फॉर्मेशन, मिट्टी और चिकनी शैल (Clay-rich mudstones)।
- जैव-हस्ताक्षर / रासायनिक संकेत :** सूक्ष्मदर्शी स्तर पर उच्च सांद्रता युक्त 'तेंदुए जैसे धब्बे' और 'खसखस के दाने' खोजे गए, जिनमें निम्नलिखित रासायनिक तत्व शामिल हैं-
 - कार्बनिक कार्बन (Organic Carbon)
 - ऑक्सीकृत आयरन सल्फाइड (Iron Sulfide)
 - आयरन फॉस्फेट (Iron Phosphate)
- खोज के महत्त्व :** वैज्ञानिक का मानना है कि अरबों वर्ष पहले मंगल पर तरल जल, मोटा वायुमंडल और सक्रिय भू-रसायन (Geochemistry) था, जो जीवन के अनुकूल हो सकता था।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

- **NASA का पर्सिवियरेंस मिशन:** पर्सिवियरेंस नासा का एक मार्स रोवर है जो 30 जुलाई, 2020 को लॉन्च किया गया।
- **लैंडिंग :** 18 फरवरी, 2021 को जेज़ेरो क्रेटर में, जो एक प्राचीन झील और नदी डेल्टा का स्थल है।
- **उद्देश्य :** पर्सिवियरेंस ने 30 से अधिक नमूने एकत्र किए हैं, जिन्हें भविष्य के मिशन के तहत पृथ्वी पर वापस लाया जाएगा।
- **कार्य :** रोवर मंगल ग्रह के गर्म, आर्द्र अतीत में बनी चट्टानों में सूक्ष्मजीवों के जीवाश्मों की खोज कर रहा है।
- **समयावधि और लागत :** वर्तमान अनुमानित लागत \$11 बिलियन, जिसके कारण समयसीमा वर्ष 2030 के शुरुआती वर्षों से बढ़कर वर्ष 2040 के दशक तक जा सकती है।

इंजीन्यूइटी ; नासा का मंगल हेलीकॉप्टर :

- पर्सिवियरेंस में इंजीन्यूइटी नाम का एक छोटा हेलीकॉप्टर ड्रोन भी लॉन्च किया गया था।
- इंजीन्यूइटी ने 18 जनवरी, 2024 को अपनी 72वीं और अंतिम उड़ान तक रोवर के आसपास के क्षेत्र का अन्वेषण किया।
- प्लैनेटरी सोसाइटी द्वारा वित्त पोषित एक माइक्रोफ़ोन नासा के मार्स पोलर लैंडर पर प्रक्षेपित किया गया, जो किसी अन्य ग्रह पर जाने वाला दुनिया का पहला क्राउडफंडेड विज्ञान उपकरण था तथा पर्सिवियरेंस के माइक्रोफ़ोन ने मंगल ग्रह से पहली बार ध्वनियाँ रिकॉर्ड कीं।

INS अरावली का कमीशन

चर्चा में क्यों?

- 12 सितंबर, 2025 को महासागर दृष्टिकोण (MAHASAGAR : Mutual and Holistic Advancement for Security and Growth Across Regions) के तहत भारतीय नौसेना ने गुरुग्राम में INS अरावली को कमीशन किया



मुख्य बिन्दु:

- कमीशनिंग समारोह के दौरान नौसेना प्रमुख को 50 जवानों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।
- नामकरण : अविचल अरावली पर्वतमाला से लिया गया है।
- कार्य : भारतीय नौसेना के विभिन्न सूचना और संचार केंद्रों को सहायता प्रदान करेगा।
- आदर्श वाक्य : 'समुद्रिकसुरक्षायाः सहयोगं' या 'सहयोग के माध्यम से समुद्री सुरक्षा' (Maritime Security through Collaboration) से प्रेरित है।

Daily Current Affairs

Date : 13 September, 2025



- लंबाई और चौड़ाई : 692 किमी. तथा 10 से 120 किमी. के मध्य।
- विभाजन : उत्तरी, मध्य और दक्षिणी अरावली।
- सबसे ऊँची चोटी : गुरुशिखर (सिरोही), जिसकी ऊँचाई 1,722 मीटर है।
- यह थार रेगिस्तान और गंगा के मैदान के मध्य एक इकोटोन के रूप में कार्य करती है।
- अरावली ग्रीन वॉल परियोजना : अरावली पर्वतमाला के चारों ओर 1,400 किलोमीटर लंबी और 5 किलोमीटर चौड़ी ग्रीन वॉल विकसित करना।
- यह अफ्रीका की 'ग्रेट ग्रीन वॉल' से प्रेरित हैं।

UTKARSH

CIVIL
SERVICES

--:23:--

राजव्यवस्था

राष्ट्रमंडल संसदीय संघ

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, लोक सभा अध्यक्ष ने 11वां राष्ट्रमंडल संसदीय संघ-इंडिया रीजन सम्मेलन का बेंगलुरु में उद्घाटन किया।



मुख्य बिन्दु:

- स्थापना:** 1911 में स्थापित। यह राष्ट्रमंडल की सबसे पुरानी संस्थाओं में से एक है।
- सदस्य:** भारत इसका सदस्य है।
- मुख्यालय-सचिवालय:** हाउस ऑफ़ पार्लियामेंट (यूनाइटेड किंगडम), लंदन।
- उद्देश्य:** विधि-निर्माताओं को एक मंच प्रदान करता है:
 - आपसी हितों के मुद्दों पर सहयोग।
 - अच्छी नीतियों और अनुभवों को साझा कर सकें।

व्यक्तित्व

आचार्य विनोबा भावे (1895-1982)

चर्चा में क्यों?

- प्रधान मंत्री ने आचार्य विनोबा भावे की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य बिन्दु:

- उनका जन्म वर्ष 1895 में गागोदे (महाराष्ट्र का एक आदिवासी गाँव) में हुआ था।
- वे 'भारत के राष्ट्रीय शिक्षक' और महात्मा गांधी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी माने जाते हैं।



योगदान

स्वतंत्रता संग्राम में:

- भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया।
- व्यक्तिगत सत्याग्रह आंदोलन में पहले सत्याग्रही बने।
- ग्राम-सेवा को संगठित करने के लिए विनोबा भावे ने 1934 ई. में ग्राम-सेवा मंडल की स्थापना की।
- उन्हें भूदान आंदोलन (1951) के लिए विशेष रूप से जाना जाता है।

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>जैस्मिन लांबोरिया : बॉक्सिंग</p>  <ul style="list-style-type: none">■ लिवरपूल में आयोजित वर्ल्ड बॉक्सिंग चैम्पियनशिप, 2025 के फाइनल में पहुँचने वाली पहली भारतीय बन गई हैं, इसी के साथ भारत का चैम्पियनशिप में चौथा मेडल तय हो गया।■ सेमीफाइनल में पराजित किया : वेनेजुएला की ओमेलीन कैरोलिना अल्काला सेगोविया को 5-0 से हराया।■ भारवर्ग : 57 किग्रा।■ संबंध : हरियाणा

2.

अल्बानिया : भ्रष्टाचार से निपटने हेतु विश्व का पहला AI-जनित मंत्री नियुक्त

- हाल ही में, अल्बानिया ने देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लक्ष्य के साथ दुनिया का पहला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI)-जनित सरकारी मंत्री नियुक्त किया है।



- **घोषणा** : अल्बानिया के प्रधानमंत्री एडी रामा ने अपने मंत्रिमंडल में डिजिटल मंत्री की घोषणा की।
- डिजिटल असिस्टेंट का नाम 'डिएला' है, जिसका अर्थ है 'सूर्य' और यह जनवरी से ही लोगों को ऑनलाइन सरकारी सेवाओं का उपयोग करने का तरीका बता रहा है।
- डिएला को पारंपरिक अल्बानियाई परिधान पहने एक महिला के रूप में चित्रित किया गया है।

3.

अभ्यास सियोम प्रहार



- भारतीय थल सेना ने अरुणाचल प्रदेश में सियोम प्रहार अभ्यास का आयोजन किया।
- **उद्देश्य**: युद्ध जैसी परिस्थितियों में सामरिक अभियानों (tactical operations) में ड्रोन के उपयोग को परखना।